१० तीन मछलियाँ

कहानी सारांश

कहानी "तीन मछलियाँ" उत्तर भारत के एक सुंदर सरोवर में रहने वाली तीन मित्र मछलियों – अनागतविधाता, प्रत्युत्पन्नमति और यद्भविष्य – की है। अनागतविधाता बहुत बुद्धिमान और दूरदर्शी थी, जो भविष्य की आशंकाओं से पहले ही निपटने का उपाय ढूँढ लेती थी। प्रत्युत्पन्नमति तीव्र बुद्धि वाली थी, जो कठिन परिस्थिति आने पर तुरंत हल निकाल सकती थी। यद्भविष्य आलसी थी और भाग्य पर विश्वास करती थी। एक दिन दो मछुआरे सरोवर में आए और अगले दिन मछलियाँ पकड़ने की योजना बनाकर चले गए। यह सुनकर अनागतविधाता ने सबको दूसरे सरोवर में जाने की सलाह दी और स्वयं वहाँ चली गई। प्रत्युत्पन्नमति ने परिस्थिति आने पर उपाय करने की बात कही और यद्भविष्य ने भाग्य के भरोसे बैठे रहने का निर्णय लिया। अगले दिन मछुआरे आए और जाल डालकर सब मछलियाँ पकड़ लीं। प्रत्युत्पन्नमति ने बुद्धिमानी से मृत होने का ढोंग किया, जिससे वह बच गई, लेकिन यद्भविष्य मारी गई। यह कहानी हमें सिखाती है कि केवल भाग्य पर निर्भर रहने से हानि होती है, जबकि दूरदर्शिता और सूझबूझ से ही जीवन की कठिनाइयों से बचा जा सकता है।

मुख्य संदेश:

- संकट से बचने के लिए दूरदर्शिता और तैयारी ज़रूरी है।
- केवल भाग्य के भरोसे बैठना बुद्धिमानी नहीं है।
- समय पर लिया गया सही निर्णय जीवन बचा सकता है।
- आलस्य और लापरवाही का परिणाम हमेशा हानिकारक होता है।

शब्दार्थ

- **सरोवर** – तालाब,
- **गाढ़ी** – गहरी,
- **विनोद** – मनोरंजन,
- **तीक्ष्ण** – तेज़,
- **आशंकित** – जिसकी शंका हो,
- **पैनी** – तेज़,
- **यत्न** – काम,
- **अकस्मात्** – अचानक,
- **मछुआरे** – मछली पकड़ने वाले,
- **रमणीय** – रमन या घूमने योग्य,
- **विश्राम** – आराम,
- **हर्ष** – खुशी से,
- **सभा** – वह स्थान जहाँ किसी विषय पर बात करने के लिए एकत्र हो,
- **योजना** – कार्य करने की रूपरेखा,
- **भयभीत** – डर,

www.onepointlearning.com

- **संकट** – मुसीबत,
- **आलस्यमयी** – आलसी,
- **पश्चात** – बाद,
- **सवेरा** – सुबह,
- **ध्वनियाँ** – आवाज़,
- **प्रसन्न** – खुश,
- **नीरोग** – स्वस्थ ।

प्रश्न - अभ्यास

बातचीत के लिए

1. **क्या आपने कभी नदी, पोखर या समुद्र तट का भ्रमण किया है? आपने वहाँ क्या-क्या देखा?**

   उत्तर: हाँ, मैंने नदी/पोखर/समुद्र तट का भ्रमण किया है। वहाँ मैंने साफ पानी, छोटी-बड़ी मछलियाँ, केकड़े, जलपक्षी और हरे-भरे पेड़-पौधे देखे।

2. **क्या किसी कार्य को भाग्य के भरोसे छोड़ना चाहिए? अपने उत्तर का कारण दीजिए।**

   उत्तर: नहीं, किसी भी कार्य को केवल भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ना चाहिए। मेहनत और समझदारी से ही सफलता मिलती है, भाग्य तभी साथ देता है जब हम प्रयास करते हैं।

3. **यद्भविष्य मछुआरों से अपने प्राण नहीं बचा पाई। यदि उसके स्थान पर आप होते तो मछुआरों से अपने प्राण कैसे बचाते?**

   उत्तर: यदि मैं यद्भविष्य की जगह होता तो पहले ही अनागतविधाता की तरह दूसरे सरोवर में चला जाता या फिर प्रत्युत्पन्नमति की तरह कोई बुद्धिमानी का उपाय ढूँढ़कर अपनी जान बचाता।

4. **आपको कौन-सी मछली सबसे अच्छी लगी और क्यों?**

   उत्तर: मुझे अनागतविधाता सबसे अच्छी लगी, क्योंकि वह दूरदर्शी थी और समय से पहले संकट से बचने का उपाय कर लेती थी। उसकी समझदारी ने कई मछलियों की जान बचाई।

पाठ से

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर मछली का चित्र (🐟) बनाइए (एक से अधिक विकल्प भी सही हो सकते हैं):**

   (क) अनागतविधाता को बहुत बुद्धिमती किस कारण से बताया गया है?

   (i) नाम के अनुरूप स्वभाव होने के कारण 🐟

   (ii) सब कुछ भाग्य के भरोसे छोड़ देने और चिंता न करने के कारण ☐

   (iii) भविष्य की संभावित समस्याओं का हल पहले से ही निकाल लेने के कारण 🐟

   (iv) श्रम और चिंतन से बचने की प्रवृत्ति के कारण ☐

www.onepointlearning.com

(ख) मछुआरों की बातें सुनकर सभी मछलियों ने सभा क्यों की?

(i) गप-शप के लिए ☐

(ii) अपने प्राण बचाने हेतु कोई उपाय ढूँढ़ने के लिए ☑

(iii) मछुआरों को अपने जाल में फँसाने के लिए ☐

(iv) पास के दूसरे सरोवर में जाने के लिए ☐

(ग) मछुआरों ने प्रत्युत्पन्नमति को जाल में से बाहर क्यों फेंक दिया?

(i) उन्हें जीवित मछलियाँ चाहिए थीं। ☑

(ii) उन्हें प्रत्युत्पन्नमति सुंदर नहीं लगी। ☐

(iii) जाल में बहुत अधिक मछलियाँ थीं। ☐

(iv) उनसे जाल उठाया नहीं जा रहा था। ☐

(घ) मछुआरों के जाल में कौन-कौन सी मछलियाँ फँस गईं?

(i) अनागतविधाता, प्रत्युत्पन्नमति और अन्य सभी बड़ी-बड़ी मछलियाँ ☐

(ii) प्रत्युत्पन्नमति, यद्भविष्य और अन्य सभी बड़ी-बड़ी मछलियाँ ☑

(iii) अनागतविधाता और अन्य सभी बड़ी-बड़ी मछलियाँ ☐

(iv) प्रत्युत्पन्नमति, यद्भविष्य और अनागतविधाता ☐

2. स्तंभ 'क' और स्तंभ 'ख' में आपस में संबंध रखने वाले शब्दों व कथनों का मिलान कीजिए—

स्तंभ 'क'	स्तंभ 'ख'
सुंदर	बुद्धिमती
अनागतविधाता	आलसी
प्रत्युत्पन्नमति	मछलियाँ
बड़ी-बड़ी	तीक्ष्ण और तीव्र बुद्धि
यद्भविष्य	सरोवर

उत्तर:

स्तंभ 'क'	स्तंभ 'ख'
सुंदर	सरोवर
अनागतविधाता	बुद्धिमती
प्रत्युत्पन्नमति	मछलियाँ
बड़ी-बड़ी	तीक्ष्ण और तीव्र बुद्धि
यद्भविष्य	आलसी

© www.onepointlearning.com Not to be reused

सोचिए और लिखिए

1. **प्रत्युत्पन्नमति पहले से ही समस्या का समाधान करने की आवश्यकता क्यों नहीं समझती थी?**

   उत्तर: प्रत्युत्पन्नमति की बुद्धि तीव्र थी। वह मानती थी कि समय पड़ने पर वह अपनी सूझ-बूझ से किसी भी समस्या का हल तुरंत निकाल लेगी।

2. **सभी मछलियों के भयभीत होने का क्या कारण था?**

   उत्तर: सभी मछलियाँ भयभीत हो गईं क्योंकि मछुआरों ने अगले दिन आकर जाल डालकर उन्हें पकड़ने की योजना बनाई थी।

3. **'जो होना होगा सो तो होगा ही', यह किस मछली का मानना था और वह ऐसा क्यों मानती थी?**

   उत्तर: यह यद्भविष्य मछली का मानना था। वह आलसी थी और सब कुछ भाग्य के भरोसे छोड़ देती थी, इसलिए वह सोचती थी कि चाहे जो हो, वही होना है।

4. **अनागतविधाता ने मछुआरों की योजना से बचने के लिए क्या उपाय सुझाया?**

   उत्तर: अनागतविधाता ने सुझाव दिया कि सब मछलियाँ सुबह होने से पहले इस सरोवर को छोड़कर पास के दूसरे सरोवर में चली जाएँ।

5. **प्रत्युत्पन्नमति ने मछुआरों से बचने के लिए क्या उपाय किया?**

   उत्तर: प्रत्युत्पन्नमति ने अपना शरीर सिकोड़कर और आँखें बंद करके मृत मछली का ढोंग किया। मछुआरों ने उसे मरा समझकर पानी में फेंक दिया और इस प्रकार वह बच गई।

भाषा की बात

1. **कहानी में आए कुछ संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रिया शब्द नीचे शब्द सरोवर में दिए गए हैं। इनकी पहचान करते हुए उन्हें उनके संबंधित परिवार के स्थान पर लिखिए—**

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

उत्तर :

संज्ञा (Noun)	सर्वनाम (Pronoun)	विशेषण (Adjective)	क्रिया (Verb)
मछली	मैं	सुंदर	सोचना
मछुआरा	वह	अच्छा	लिखना
यद्धविष्य	हमने	दो	जाना
सरोवर	उन्होंने	तीन	रहना
सभा	कुछ	पहली	बचना

2. कहानी में आए एकवचन और बहुवचन शब्दों की खोज करते हुए निम्न तालिका को दिए गए उदाहरण के अनुसार पूर्ण कीजिए—

एकवचन शब्द	बहुवचन शब्द
मछली	मछलियाँ
.....	ध्वनियाँ
मैं	.....
.....	.....
.....	.....

उत्तर :

एकवचन शब्द (Singular Word)	बहुवचन शब्द (Plural Word)
मछली	मछलियाँ
ध्वनि	ध्वनियाँ
मैं	हम
मछुआरा	मछुआरे
बात	बातें

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

3. नीचे दिए गए उपयुक्त शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

ने, में, को, के, का, की, पर

(क) मछुआरों का ध्यान पानी में सैर करती हुई मछलियों पर **गया।**

(ख) मछुआरों की **बातें तीनों मछलियों** ने **सुन लीं।**

(ग) वह कहने लगी कि मैं तो अपने इस पुराने निवास स्थान को **छोड़कर कहीं नहीं जाऊँगी।**

(घ) उत्तर भारत के **एक सुंदर सरोवर** में **तीन मछलियाँ रहती थीं।**

4. दिए गए विराम चिह्नों में से उचित विराम चिह्न का प्रयोग करते हुए नीचे दिए गए वाक्यों को पुनः अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए—

?, । , ! , “ ” , —

(क) एक समय की बात है

(ख) पहला मछुआरा बोला अरे देखो इस सरोवर में कितनी बड़ी मछलियाँ हैं

(ग) मछुआरों ने सरोवर में अनागतविधाता प्रत्युत्पन्नमति यद्भविष्य और बड़ी-बड़ी स्वस्थ मछलियाँ देखीं

(घ) हाँ हाँ और इतनी सारी मछलियाँ एक ही जगह हमने पहले कभी नहीं देखीं दूसरा मछुआरा बोला।

(ङ) मछुआरों की बातें तीनों मछलियों ने सुन लीं

उत्तर :

(क) एक समय की बात है।

(ख) पहला मछुआरा बोला, “अरे! देखो इस सरोवर में कितनी बड़ी मछलियाँ हैं!”

(ग) मछुआरों ने सरोवर में अनागतविधाता, प्रत्युत्पन्नमति, यद्भविष्य और बड़ी-बड़ी स्वस्थ मछलियाँ देखीं।

(घ) “हाँ हाँ और इतनी सारी मछलियाँ एक ही जगह हमने पहले कभी नहीं देखीं,” दूसरा मछुआरा बोला।

(ङ) मछुआरों की बातें तीनों मछलियों ने सुन लीं।

अनुमान और कल्पना

1. प्रत्युत्पन्नमति ने मछुआरों से बचने की जो योजना बनाई, यदि वह उसमें सफल न होती तो उसकी अन्य योजना क्या हो सकती थी?

उत्तर : यदि प्रत्युत्पन्नमति मृत होने का ढोंग करके सफल न होती, तो वह छलाँग लगाकर पानी के भीतर गहराई में चली जाती और सरोवर के किसी सुरक्षित कोने या रास्ते से निकलकर पास के दूसरे सरोवर की ओर तैर जाती।

2. क्या आपने समुद्र देखा है? अनुमान लगाकर बताइए कि समुद्र में इतना अधिक जल कहाँ से आता है।

उत्तर : हाँ, मैंने समुद्र देखा है। समुद्र में इतना अधिक जल नदियों और झरनों से आता है। वर्षा का पानी भी नदियों के माध्यम से समुद्र में पहुँचता है। इसके अलावा बर्फ पिघलने से जो पानी निकलता है, वह भी समुद्र में मिल जाता है।

www.onepointlearning.com

3. **अपनी सूझ-बूझ के कारण प्रत्युत्पन्नमति मछुआरों से बच गई। मान लीजिए कि वह तैरकर पास के सरोवर में अपनी मित्र अनागतविधाता के पास पहुँच गई। दोनों में आपस में क्या-क्या बातचीत हुई होगी? अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए।**

उत्तर : संभावित संवाद

अनागतविधाता: अरे मित्र! तुम्हें देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। मैं तो सोच रही थी कि तुम भी जाल में फँस गई होगी।

प्रत्युत्पन्नमति: हाँ, मछुआरों ने मुझे पकड़ लिया था, पर मैंने मृत होने का नाटक किया। उन्होंने मुझे बेकार समझकर पानी में फेंक दिया और मैं बच गई।

अनागतविधाता: सचमुच, तुम्हारी बुद्धिमानी ने तुम्हें बचा लिया। लेकिन देखो, यदि तुम पहले ही हमारे साथ आ जाती तो इतना जोखिम न उठाना पड़ता।

प्रत्युत्पन्नमति: सही कहती हो। आगे से मैं भी समय रहते सही निर्णय लूँगी।

अनागतविधाता: यही अच्छी बात है। हमें हमेशा संकट से बचने के लिए पहले से ही सोचना और तैयारी करनी चाहिए।

बूझो तो जानें

1. **नीचे पानी में तैरती हुई मछलियों को ध्यान से देखिए और बताइए कि इनमें से बिल्कुल एक जैसी दो मछलियाँ कौन-सी हैं?**

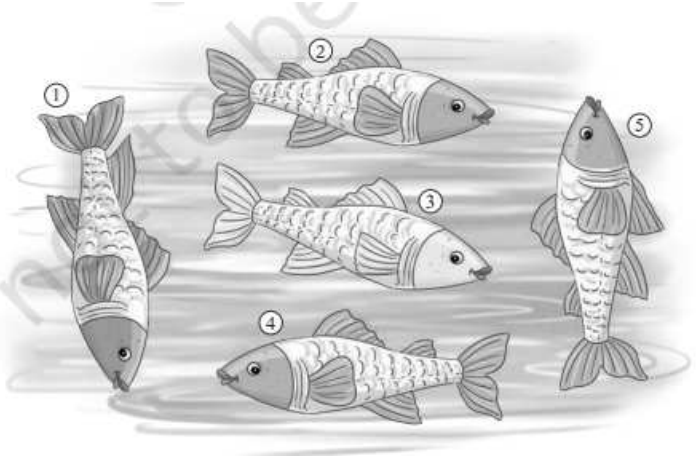

उत्तर : अंक 2 और 4 की मछलियाँ

www.onepointlearning.com

पुस्तकालय से

विद्यालय के पुस्तकालय में जाकर कहानी में आए निम्नलिखित शब्दों के अर्थ शब्दकोश की सहायता से लिखिए—

उत्तर :

1. शब्द : गाढ़ी
   अर्थ : घनिष्ठ, गहरी

2. शब्द : विनोद
   अर्थ : **आनंद, मनोरंजन**

3. शब्द : तीक्ष्ण
   अर्थ : **तेज, पैना**

4. शब्द : चिंतन
   अर्थ : **सोच-विचार, विचार करना**

5. शब्द : विश्राम
   अर्थ : **आराम, ठहराव**

6. शब्द : श्रम
   अर्थ : **मेहनत, परिश्रम**